मंत्री प्रोफ़ाइल

श्री हरदीप सिंह पुरी, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

श्री हरदीप सिंह पुरी, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय का जन्म 15 फरवरी,1952 को दिल्ली में हुआ था। उन्होने हिन्दू कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से 1971 में इतिहास में बी.ए. (आनर्स) किया और मेरिट में प्रथम स्थान पर रहे। उन्होंने 1973 में एम.ए. (इतिहास) प्रथम श्रेणी में किया। वह हिंदू कालेज संसद में प्रधान मंत्री रहे और वह एक प्रखर वक्ता भी थे। उन्होंने सेंट स्टीफन कालेज, दिल्ली में अध्यापन कार्य भी किया।

वे 1974 में भारतीय विदेश सेवा में आए। 39 वर्ष के अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होने विदेश और रक्षा मंत्रालयों में उच्च पदों पर सेवा की और युनाइटेड किंगडम तथा ब्राजील में राजनयिक स्तर के पदों पर रहे और जिनेवा और न्यूयार्क दोनों में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में भी सेवा की। इससे पूर्व उन्होंने टोक्यो और कोलम्बों में भारतीय मिशनों में भी सेवा की है।

श्री हरदीप सिंह पुरी को बहुपक्षीय कूटनीति का व्यापक अनुभव है। उन्होंने वर्ष 2002 से 2005 तक जेनेवा में जीएटीटी/संयुक्त राष्ट्र में तीन अवसरों पर राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि सहित भारतीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। उनका व्यापार नीति संबंधी मामलों में विशेषज्ञता के साथ दीर्घकालीन संबंध रहा है और जीएटीटी तथा डब्ल्यूटीओ के अनेक विवाद समाधान पैनलों में भी सेवा की।

वह अगस्त 2011 और नवम्बर, 2012 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के अध्यक्ष थे और वर्ष 2011-12 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद-विरोधी समिति के अध्यक्ष भी रहे।
वह भारतीय विदेश सेवा से 28 फरवरी, 2013 को सेवानिवृत्त हुए और अंतरराष्ट्रीय शांति संस्थान (आईपीआई), न्यूयार्क में सेवा जॉइन की जिसका मुख्यालय न्यूयार्क और कार्यालय वियना और मनामा में हैं तथा यह एक अलाभकारी विचारक मंडल है। वह जून से दिसंबर, 2013 तक वरिष्ठ सलाहकार रहे। वह आईपीआई के उपाध्यक्ष रहे और बहुपक्षीय स्वतंत्र आयोग (आईसीएम) के महासचिव भी रहे। उनहोंने 31 मार्च, 2016 को आईपीआई छोड़ दिया।

उन्होंने 'पेरिलस इन्एवेन्शन' – द सिक्योरिटी काउन्सिल एण्ड द पॉलिटिक्स ऑफ क्ओज नामक पुस्तक भी लिखी है जिसे सितम्बर, 2016 में हॉर्पर कालिन द्वारा प्रकाशित किया गया था। उन्होंने महत्वपूर्ण मंचों पर अनेक व्याख्यान भी दिये तथा उनके अनेक लेख और पेपर भी प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने 23 जनवरी, 2017 को नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय में 'भारत और पश्चिमी उदारवादी लोकतांत्रिक व्यवस्था' विषय पर एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया। उन्होंने 'इंडियाज़ ट्रेड पॉलिसी डिलेमा एण्ड द रोल ऑफ डॉमेस्टिक रिफार्म' पुस्तक भी लिखी जिसे फरवरी, 2017 में कार्नेजी इंडिया द्वारा प्रकाशित किया गया है।

उन्हें विकासशील देशों के लिए शासी परिषद् का अध्यक्ष तथा अनुसंधान और सूचना प्रणालियों (आरआईएस) के शासी निकाय का अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया था। वह जेनेवा में ग्रेजुएट इन्स्टीटयूट के अतिथि संकाय सदस्य भी हैं।

उन्हें 3 सितम्बर, 2017 को केन्द्रीय मंत्रिपरिषद् में शामिल किया गया और उन्होंने 4 सितम्बर, 2017 को आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में कार्यभार संभाला।